तबला
एम. ए. प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
इतिहास

समयः 3 घंटा

पूर्णांकः 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक – 36

इकाई 1. नाट्य शास्त्र के तालाध्याय के आधार पर मार्ग ताल पद्धति का विस्तृत विवेचन । वर्तमान उत्तर भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन । इन दोनों ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन। संगीत में क्लिष्ट एवं अप्रचलित तालों की उपयोगिता पर विचार।

इकाई 2. अवनद्ध एवं घन वाद्यों की परिभाषा, सांगीतिक उपयोग तथा नाट्यशास्त्र तथा संगीत रत्नाकर में वर्णित निम्नांकित अवनद्ध वाद्यों एवं घन वाद्यों का सचित्र वर्णन :–
मृदंग, पणव, दर्दुर, पटह, डमरू, दुंन्दुभि, झल्लरी, मर्दल, करताल, कांस्यताल, घंटा, जय घंटा।

इकाई 3. प्राचीन एवं मध्ययुगीन ग्रन्थों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षर तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन।
नाट्यशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के वादन विधि से संबंधित पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या तथा वर्तमान वादन विधि में उनकी उपयोगिता ।

इकाई 4. तबले की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन । पखावज (मृदंग) की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन । बनावट, आकार, वादन शैली तथा नादात्मकता के आधार पर इन दोनों वाद्यों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई 5. बंदिश की परिभाषा । विस्तारशील–अविस्तारशील बंदिशें । तबले की बंदिशों के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन । पेशकार, कायदा, रेला एवं रौ के रचना सिद्धांतों का विस्तृत विवेचन ।

Scanned by CamScanner

द्वितीय प्रश्न पत्र
निबंध, रचना एवं लयकारी

समय: 3 घंटे | पूर्णांक: 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक - 36

इकाई 1. संगीत संबंधी किसी विषय पर न्यूनतम 800 शब्दों में निबंध। 40

इकाई 2. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, सवारी, आड़ा चौताल तथा धमार तालों में विभिन्न रचनायें बनाकरताललिपि में लिखना। 40

इकाई 3. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित कर ताललिपि में लिखने का ज्ञान तथा पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखना। 20

Scanned by CamScanner

तृतीय प्रश्न पत्र
संगीत शास्त्र

समयः 3 घंटा

पूर्णांकः 100
न्यूनतम उत्तीर्णांक – 36

इकाई 1. पं. भातखंडे, पं. पलुस्कर तथा कर्नाटक संगीत की तालांकन पद्धतियों का विस्तृत और तुलनात्मक अध्ययन। पं. निखिल घोष तथा श्री नारायण जोशी द्वारा प्रतिपादित लेखन पद्धतियों (लिपि पद्धति) का अध्ययन।

इकाई 2. एकल तबला वादन के विकास का ऐतिहासिक परिचय तथा विभिन्न घरानों में एकल तबला वादन के कम एवं स्वरूप का अध्ययन। आधुनिक संदर्भ में प्राचीन शास्त्र ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण दोष।

इकाई 3. लोक संगीत की व्याख्या तथा लोक संगीत में प्रचलित निम्नलिखित अवनद्ध तथा घनवाद्यों का सचित्र वर्णन :–ढोलक, नाल, नगाड़ा, टिमकी, ताशा, मांदर, गुदुम, डफ, हुडुक्का, एकतारा, चिमटा, झांझ, मंजीरा, चिपली।

इकाई 4. मुखड़ा, टुकड़ा, परन के रचना सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन। गत और उसके विभिन्न प्रकारों का विवेचनात्मक सोदाहरण अध्ययन। तिहाई और चकदार का अंतर्निहित सम्बन्ध, तुलनात्मक ज्ञान तथा गणितीय सिद्धांतों का विवेचन।

इकाई 5. निम्नलिखित शास्त्रकारों तथा उनके ग्रंथों का सामान्य परिचय :– स्वाति मुनि, भरत, मतंग, शारंग देव, व्यंकटमखी, महाराणाकुम्भा, सवाई प्रताप सिंह, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

Scanned by CamScanner

प्रायोगिक–मौखिक

पूर्णांक: 300
न्यूनतम उत्तीर्णांक – 108

पिछले पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति ।

1. निम्नलिखित तालों में लहरे के साथ सम्पूर्ण एकल वादन करने की योग्यता–
रूद्र अथवा चार ताल की सवारी, आड़ाचौताल/धमार, और सवारी।

2. त्रिताल के एक आवर्तन में निम्न तालों के ठेकों के एक आवर्तन को बजाने का अभ्यास–
धमार , एकताल , झपताल , रूपक । विभिन्न लयकारियों को पढ़न्त तथा बजन्त के द्वारा स्पष्ट करने की क्षमता।

3. त्रिताल में विभिन्न जातियों तथा विभिन्न घरानों के पेशकार, कायदे , रेले , सहित सम्पूर्ण एकल वादन की क्षमता ।

4. झपताल तथा रूपक में पेशकार , कायदे , रेले , टुकड़े , चक्रदार सहित एकल–वादन ।

5. नये टुकड़े तथा परन बनाकर वादन करने की क्षमता ।

6. हाथ से ताली–खाली दिखाकर किसी भी ताल में पढ़न्त करना ।

7. शास्त्रीय गायन तथा वादन के साथ तबला–संगति में निपुणता ।

8. लोक संगीत तथा सुगम संगीत के साथ संगति करने की क्षमता ।

Scanned by CamScanner

कियात्मक मंच प्रदर्शन

पूर्णांक: 150

न्यूनतम उत्तीर्णांक - 54

आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख एकल वादन :–

अ– विद्यार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से अपनी इच्छानुसार किसी एक ताल में संपूर्ण एकल वादन की प्रस्तुति।

(अधिकतम 30 मिनट) 60

ब– किसी अन्य ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार संपूर्ण एकल वादन (15 मिनट) 40

2. गायन तथा वादन की संगति । 30

3. कुशलतापूर्वक तबला मिलाने की योग्यता 20

Scanned by CamScanner